□□□□ □□□□□

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्या□ ि□□□

□□ज□ □□□

अतारांकित प्रश्न संख्याः 2615

16 □□□□, **2019 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर**

एक्यूट इंसेफेलाईटिस सिंड्रोम (ए.ई.एस.) के

प्रकोप से बचने के लिए अस्पतालों म □□□ब□ □□□□□□□

2615. **श्री□ □□□ □□□ □□□□□□**

क□□ **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने का कृपा करगे किः

(□) क्या यह सच है कि बिहार एवं पूर्वा उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों म गर्मा के दिनों म बुखार से बड़ी संख्या म बच्चों का मृत्यु हुई है;

(□) □ि□ □□, तो क्या सरकार इस रोग के निदान हेतु अनुसंधान संस्थानों अथवा विशिष्ट अस्पतालों का स्थापना के संबंध म विचार करेगी ताकि इस रोग के कारणों का पता लगाकर इसके उपचार हेतु समुचित व्यवस्था हो सके; □□

(□) इस समस्या के समाधान म सरकार का क्या योजना है?

□त्□□

स□□स्थ्य और परिवार कल्या□ □□ज□ मंत्री (श्री अश्विनी कुमार चौबे)

(□): □□ □□□□ □□ 2019 म उत्तर प्रदेश और बिहार से चिकुनगुनिया, □□□(□□ □□) ि□म□ाटिक फिलेरियासिस, □□□-□□□□ (□□ □□) □□ □□ि□□□ (□□ □□) □□ □□□□ किसी भी मौत का कोई रिपोट नहीं ि□□ा □□ □□ 2019 □ □त□र प्रदेश और बिहार □

एक्युट इंसेफेलाईटिस सिंड्रोम (एईएस) के मामलों के कारण हुई मौतों का संख्या निम्नवत □□

उत्तर प्रदेश*	21
□□□□#	184

* 07.07.2019 □□

13.07.2019 □□

(□): □□□□□ एक्युट इंसेफेलाईटिस सिंड्रोम (एईएस) □□□□स□विक कारणों का पता लगाने के लिए और अमूल्य मानव जीवन को रक्षा करने के लिए भविष्य □ □□□□ □□□□□□□ प्र□□□ □□ □□ □□ □□□□□ □□□□□□□□, □च□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□ करने का निणय लिया है।

(□): □□□□□□ प्र□□□□□ □□ □□□□□ 'स्वास्थ्य' राज्य का विषय है। तथापि, केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एईएस मामलों का रोकथाम म राज्यों को सहयोग करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा निम्नवत हैः

- **केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** ने बिहार के स्वास्थ्य मंत्री और □त्र□□ के अधिकारियों के साथ स्थिति का समीक्षा का।
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने राज्य सरकार को रोकथाम और प्रबंधन उपायों म सहयोग करने के लिए विशेषज्ञों के एक केन्द्रीय दल का तैनाती का जिसम विभिन्न केन्द्रीय सरकारी संस्थानों के जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ शा□□ □□
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने राज्य मंत्री (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) और अधिकारियों के दल के साथ बिहार का दौरा किया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने स्थिति का समीक्षा का और श्रीकृष्णा मेडिकल कॉलेज एण्ड □□स्□□□ (□□□□□□□□□), □□फ□□□□□ □□ □□ □□□□ f□□□□
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने राज्य को, मामलों के प्रबंधन के लिए उनके प्रयासों म परामश देने हेतु विभिन्न केन्द्रीय सरकारी संस्थानों से वरिष्ठ

बाल रोग विशेषज्ञ लेकर मुजफ्फरपुर के लिए एक अन्य उच्च स्तरीय बहुविषयक □□ का तैनाती का। केन्द्रीय स्तर से राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र (एनसीडीसी) से महामारी रोग विशेषज्ञ, वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ, प्रयोगशाला तकनीशियन दिनांक 12.06.2019 से मुजफ्फरपुर म उपस्थित ह।

- मुजफ्फरपुर म एईएस का स्थिति का निगरानी करने के लिए एनसीडीसी □□□न्द्र कायनीति स्वास्थ्य प्रचालन केन्द्र (एसएचओसी) को सक्रिय किया गया और फील्ड स्तर पर काय म समन्वय किया गया।
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने नैदानिक प्रबंधन म सहयोग करने के लिए एसकेएमसीएच म केन्द्रीय सरकारी अस्पतालों से तकनीशियनों सहि□ चिकित्सकों के पाँच दलों को तैनात किया।
- एसकेएमसीएच म एक केन्द्रीय दल का भी तैनाती का गई जिसम भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के विशेषज्ञ शामिल थे। यह दल मौतों के कारणों का पता लगाने के लिए एक मानकीकृत उपकरण का प्रयोग करते हुए डिस्चाज और मृत रोगियों के केस रिकॉर्डों का जाँच और समीक्षा भी कर रहा है।
- केन्द्रीय बाल रोग चिकित्सक दल द्वारा एईएस के नैदानिक मामला प्रबंधन और उपचार प्रोटोकॉल पर एसकेएमसीएच के सभी बाल रोग चिकित्सकों को नियमित आधार पर ओरिएन्टेशन प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

*****